

रेवाड़ी मूिम

हरिभूमि

तापमान



अधिकतम 26.0 डिग्री
न्यूनतम 9.0 डिग्री

रोहतक, रविवार 8 फरवरी 2026

12 माता रमाबाई और ललई सिंह को किया याद



12 दो साल नौ माह से बंद पड़ा युथ हॉस्टल मेंटेनैस के अभाव....



खबर संक्षेप

तीसरी बार प्रोवेशन वारंट पर चोरी का आरोपी

रेवाड़ी। चोरी के कई मामलों लिफ्त चोरी के आरोपी को अब थाना सदर पुलिस ने कोर्ट से प्रोडक्शन वारंट पर लिया है। पुलिस ने वर्ष 2024 में हुई चोरी को वारदात के बाद दर्ज मामले में नूंह के युवारका निवासी आजाद को गिरफ्तार किया था। उसने चोरी को तीन दर्जन से अधिक वारदातों में शामिल होने की बात स्वीकार की थी। जिले के कई थानों में उसके खिलाफ चोरी के केस दर्ज होने के कारण उसे दो बार प्रोडक्शन वारंट पर लिया गया था। अब थाना सदर पुलिस ने उसे दो मामलों में पूछताछ के लिए प्रोडक्शन वारंट पर लिया है।

शांति भंग करने के आरोप में दो काबू

रेवाड़ी। मॉडल टाउन थाना पुलिस ने सार्वजनिक स्थाना पर हंगाम करते हुए शांति भंग करने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि सोसायटी में तीन युवक आपास में झगड़ा करते हुए लोगों की शांति भंग कर रहे हैं। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर जाकर तीनों को काबू कर लिया। गिरफ्तार किए गए आरोपी सरस्वती विहार में रहे रहे मूल रूप से यूपी निवासी विवेक व दीपक तथा सेंक्टर-4 में रहे राजस्थान के हिगड़ावा निवासी ललित हैं। रात को हवालात में बंद रखने के बाद तीनों को कोर्ट में पेश कर दिया गया।

दहेज उतपीड़न मामले में एक आरोपी काबू

रोहड़ाई। पुलिस ने दहेज का मांग पर विवाहिता को प्रताड़ित करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने वर्ष 2024 में विवाहिता को शिकायत मिलने के बाद दोनों पक्षों को कई बार थाने बुलाकर काउंसिलिंग कराई थी, ताकि उनके बीच समझौता हो सके। दोनों पक्षों में समझौते पर सहमति नहीं बनने के कारण पुलिस ने गत वर्ष 19 नवंबर को ससुराल पक्ष के लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया था। पुलिस ने इस मामले में राजस्थान के पड़ताल निवासी अभिषेक को गिरफ्तार किया है।

हार्ट अटैक आने से महिला की मौत

रेवाड़ी। भोतवास भौंदू में हार्ट अटैक से एक महिला की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार गांव निवासी मोनु देवी को सोने में दर्द की शिकायत हुई थी। परिजनों ने उसे उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर उसे परिजनों के हवाले कर दिया।

कुंड में 10 को मनाया जाएगा महाशिवरात्रि पर्व

कुंड। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरी विश्वविद्यालय की ओर से कुंड में 10 फरवरी को महाशिवरात्रि का पर्व मनाया जाएगा। महेंद्र गुप्ता ने बताया कि विश्वविद्यालय कुंड में जल्द शाखा खोलने जा रहा है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला प्रमुख मनोज यादव होंगे।

मोहन हत्याकांड में एक और आरोपी काबू

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

बहाला निवासी खाद-बीज विक्रेता मोहन हत्याकांड में शामिल एक और आरोपी को सीआईए धारुहेड़ा ने गिरफ्तार किया है। इस मामले में पुलिस चार आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। गिरफ्तार किए गए आरोपी को दो दिन के रिमांड पर लिया गया है। बहाला निवासी दुष्यंत ने अपनी शिकायत में बताया था कि उसके

आसमान साफ रहने से मौसम का मिजाज गर्म, तापमान में वृद्धि से दिन में ठंड गायब

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

फरवरी का पहला सप्ताह बीतने से पहले ही आसमान साफ रहने के बाद तापमान बढ़ना शुरू हो गया है। दिन के समय ठंड का असर गायब हो चुका है। दिन में दोपहर के समय तेज धूप के कारण गर्म कपड़े शरीर को चुपने लगे हैं। सुबह-शाम और रात के समय ही ठंड का असर देखने को मिल रहा है। रविवार से एक बार फिर से मौसम में बदलाव की अनुमान लगाया जा रहा है, जिससे ठंड एक बार फिर से वापसी कर सकती है। लगातार तीन दिन से आसमान पूरी तरह साफ बना हुआ है। इससे दिन के तापमान में वृद्धि हो रही है। दोपहर तक मौसम गर्म हो जाता है, जिससे गर्म कपड़े भी निकालने पड़ते हैं। शनिवार को अधिकतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। एवा में नमी का स्तर कम होकर 65 प्रतिशत पर आ गया। आगामी दिनों में तापमान में बदलाव देखने को मिल सकता है।

फसलों के लिए मौसम में बदलाव जरूरी

अभी तक मौसम ने किसानों और फसलों का अच्छा साथ दिया है। सरसों की अगेती फसल में दाना पकना शुरू हो गया है। गेहूं की फसल में बालियाँ निकल रही हैं। बारिश के बाद फसलों का तेजी से विकास हुआ है। मौसम अचानक गर्म होने से गेहूं की फसल प्रभावित हो सकती है। दिन के समय मिट्टी गर्म होने से दौमक जमीन से बाहर आकर गेहूं पर हमला सकती है, जिससे फसल को नुकसान हो सकता है। एक बार फिर से मौसम का मिजाज ठंडा पड़ता है, तो यह दोनों फसलों के लिए फायदेमंद साबित होगा। किसानों को फिक्र इस बात की है कि मौसम में बदलाव के साथ अगर ओलावृष्टि होती है, तो फसल को नुकसान पहुंचा सकती है।



रेवाड़ी। एक खेत में गेहूं की फसल में निकली बालियाँ।

8 को बदलेगा मौसम

लगभग 15 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं चलेंगी, लेकिन तेज धूप के कारण हवाओं में ठंडक गायब रही। धीरे-धीरे ठंड का मौसम विदाई की ओर बढ़ रहा है। फरवरी के अंत के साथ ही ठंड का सीजन भी खतम हो जाएगा। मौसम विभाग के अनुसार वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के चलते 8 फरवरी से एक बार फिर मौसम करवट ले सकता है। आसमान में बादलों के बीच बुदबुदाई हो सकती है। ओलावृष्टि से भी इनकार नहीं किया जा रहा। मौसम में लगभग एक सप्ताह तक बार-बार बदलाव देखने को मिल सकता है। इसके साथ ही दिन के समय ठंड एक बार फिर अपनी उपस्थिति दर्ज करा सकती है।

दूसरे पखवाड़े में काफी हद तक कम होगी ठंड

दिन का पारा मौसम में बदलाव के साथ ही एक बार फिर से नीचे खिसक सकता है। एक सप्ताह तक बार-बार बदल छाने के बाद मौसम साफ हो सकता है, जिससे फरवरी के दूसरे पखवाड़े में ठंड का असर काफी हद तक कम हो जाएगा। मौसम के कारण फिलहाल प्रदूषण की समस्या भी कम हो गई है। शनिवार को धारुहेड़ा का एयरआई 200 से नीचे बना रहा। परिष्कर्म विभाग के चलते आगामी दिनों में मौसम में बदल सकता है।

मालखी के सरपंच प्रतिनिधि पर 26 जनवरी को हुआ था हमला

एनकाउंटर का डर या पुलिस का दबाव, चार आरोपियों का सरेंडर

चारों आरोपियों ने मजिस्ट्रेट के समक्ष किया समर्पण, कोर्ट ने सभी आरोपियों को तीन दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

इसे एनकाउंटर का डर कहा जाए या पुलिस का भारी दबाव। भालखी की सरपंच के देवर पर गणतंत्र दिवस के दिन जानलेवा हमला करने के चार आरोपी कोर्ट में सरेंडर करने के लिए पहुंच गए। सरेंडर करने के बाद कोर्ट ने उन्हें थाना खोल पुलिस के हवाले कर दिया। आरोपियों को तीन दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

सरपंच प्रतिनिधि सुरेंद्र उर्फ धोलिया पर 26 जनवरी के दिन उस समय हथियारबंद कई लोगों ने हमला कर दिया था, जब वह गांव के स्कूल में आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह में भाग लेने के बाद कार से घर लौट रहे थे। कार को माजरा प्लाईओवर के पास बोलोरो कैंपर से टक्कर



रेवाड़ी। भालखी सरपंच पर हमले के गिरफ्तार आरोपी। फोटो : हरिभूमि

इन आरोपियों ने किया सरेंडर

केस में शामिल माजरा निवासी नवीन, शीशपाल, राजस्थान के परतापुर निवासी योगेश और महेंद्रगढ़ के महेश्वर निवासी लोकेश वर्काल को साथ लेकर एसीजेम अर्चना कोहली की अदालत में पहुंच गए। चारों ने मजिस्ट्रेट के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। इसके बाद कोर्ट ने चारों आरोपियों को थाना खोल पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने इसी कोर्ट से चारों को 3 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है।

मारने के बाद कई युवकों ने धोलिया को बाहर खींचकर बेहमी से लाठी-डंडों से मारना शुरू कर दिया था। इस घटना का वीडियो भी जमकर वायरल हुआ था। घटना के बाद मौके पर पहुंची थाना खोल पुलिस ने सीन ऑफ क्राइम टीम को भी मौके पर

बुलाया था। घटनास्थल से एक मैगजिन मिला था, जिसमें पांच जिंदा कारतूस थे। सरपंच प्रतिनिधि को ट्रॉमा सेंटर में दाखिल कराया गया था, जहां उसे उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया गया था। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास व आर्म्स

एनकाउंटर का सता रहा था डर

जिला पुलिस ने बीते दिनों तीन दिन के अंतराल में दो एनकाउंटर किए थे। एनकाउंटर के बाद इनामी बदमाश पुलिस के हत्ये चढ़ गए थे। दोनों एनकाउंटर में तीन बदमाशों के पैसे में गोलियाँ लगी थीं। ऐसा माना जा रहा है कि सरपंच प्रतिनिधि सुरेंद्र उर्फ धोलिया पर जानलेवा हमले के आरोपियों को भी ऐसा ही कुछ होने की आशंका सता रही थी, जिस कारण उन्होंने कोर्ट में सरेंडर करने में ही अपनी भलाई समझी।

सरपंच पर हमले से बनी रंजिश

धोलिया पर हुए हमले से 19 जनवरी को माजरा के सरपंच रविंद्र उर्फ हाथी पर भी हमला हो गया था। मालखी में नाला निर्माण को शुरू हुए विवाद के बाद जब रविंद्र हाथी मौके पर पहुंचे तो कई लोगों ने उनके साथ जमकर मारपीट की थी। रविंद्र हाथी के हाथ-पैर में गंभीर चोटें आई थीं। उन्हें एक प्राइवेट अस्पताल में दाखिल कराया गया था। उस मामले में सुरेंद्र उर्फ धोलिया भी शामिल था।

रिमांड पर लिए गए आरोपी

आरोपियों ने एसीजेम कोर्ट में सरेंडर कर दिया था। इसके बाद पूछताछ के लिए उन्हें तीन दिन के रिमांड पर लिया गया है। रिमांड के दौरान वारदात में पर्युक्त इशियार बरामद करने के लिए आरोपियों से पूछताछ की जाएगी।

योगेश, कुंड पुलिस चौकी प्रभारी। एक सहित विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। 2 आरोपियों को पुलिस ने पहले ही गिरफ्तार कर लिया। अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही थी। जिला रेवाड़ी पुलिस बल क्षेत्र

माई के घर जाने की कहकर गई महिला लापता

कोसली। कोसली स्टेशन क्षेत्र की कॉलोनी से एक महिला घर से अपने भाई के पास जाने की कह कर लापता हो गई। बेटे ने अपनी मां की गुमशुदगी का मामला कोसली थाने में दर्ज कराया है। बेटे ने बताया कि उसकी मां शुकवार सुबह 10 बजे मामा के घर के लिए निकली थी, परन्तु वहां नहीं पहुंची। उसने व परिजनों ने आसपास व रिस्तेदारी में उनकी खोज की, लेकिन उनका कोई पता नहीं चल पाया। पुलिस ने गुमशुदगी का मामला दर्ज कर लिया है।

शुकवार को बच्चे के साथ भाई के घर जाने को निकली थी महिला

सफाई कर्मचारी से अमद्रता पर लेक्चर पर केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कोसली

कोसली स्थित राजकीय महाविद्यालय में कार्यरत एक महिला सफाई कर्मचारी ने कॉलेज में कार्यरत एक एक्सटेंशन लेक्चरर पर शारीरिक व मानसिक रूप से परेशान करने व अभद्र गालियां देने का आरोप लगाते हुए कोसली थाने में मामला दर्ज कराया है। महिला कर्मचारी ने प्राचार्या को शिकायत की थी, जिसके बाद प्राचार्या ने मामले की जांच के लिए गठित कमेटी की रिपोर्ट के साथ कर्मचारी को शिकायत को कोसली थाने में

भेज दिया। सफाई कर्मचारी के पद पर कार्यरत महिला ने शिकायत में आरोप लगाया कि महाविद्यालय में कार्यरत एक्सटेंशन लेक्चरर विकास शर्मा उसे काफी समय से मानसिक व शारीरिक रूप से परेशान कर रहे हैं, जिससे वह बहुत अपमानित और असहज महसूस करती है। लेक्चरर उन्हें अभद्र गालियां देता है तथा महाविद्यालय से बाहर निकालने की धमकी भी देता है। सफाई कर्मचारी के अनुसार इससे पूर्व भी वह महाविद्यालय में कार्यरत एक महिला कर्मचारी के साथ दुर्यवहार कर चुका है।

छात्राओं को ट्रिप मॉनिटरिंग व सेल्फ डिफेंस पर किया जागरूक

महिला सशक्तिकरण के लिए समाज में व्यापक बदलाव जरूरी: सरिता

पुलिस ने छात्राओं को डायल 112, ट्रिप मॉनिटरिंग सुविधा व साइबर अपराध पर किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

महिलाओं व बच्चों की सुरक्षा व जागरूकता के लिए जिला पुलिस की ओर से शुकवार को गवर्नमेंट गर्ल्स कॉलेज गांव गुरावड़ा में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महिला थाना प्रभारी पीएसआई



रेवाड़ी। छात्राओं व स्टाफ को जानकारी देते हुए पुलिस टीम।

सरिता ने टीम के साथ छात्राओं व स्टाफ को डायल-112, ट्रिप मॉनिटरिंग सुविधा, साइबर अपराध व सेल्फ डिफेंस सहित विभिन्न

अपराधों की जानकारी देकर जागरूक किया। इस मौके पर डायल-112 व दुर्गा शक्ति एप के बारे में जानकारी दी गई। पुलिस टीम

खाटूश्याम मेले के लिए स्पेशल रेलसेवाओं का 23 से संचालन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

रेलवे की ओर से खाटू श्यामजी मेले के दौरान अतिरिक्त यात्री यातायात को देखते हुए यात्रियों की सुविधा के लिए कुरुक्षेत्र-फुलेरा-कुरुक्षेत्र तथा फुलेरा-दिल्ली सराय-फुलेरा अनारक्षित स्पेशल रेलसेवाओं का संचालन किया जा रहा है। उत्तर पश्चिम रेलवे के सीपीआरओ अमित सुदर्शन ने बताया कि गाड़ी संख्या 09711 कुरुक्षेत्र-फुलेरा स्पेशल रेलसेवा 23 फरवरी से 28 फरवरी तक कुरुक्षेत्र से रात्रि 11:30 बजे

रवाना होकर अगले दिन सुबह 8:30 बजे फुलेरा पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 09712 फुलेरा-कुरुक्षेत्र स्पेशल रेलसेवा 24 फरवरी से 1 मार्च तक फुलेरा से सुबह 9:50 बजे रवाना होकर रात्रि 8 बजे कुरुक्षेत्र पहुंचेगी। वहीं गाड़ी संख्या 09713 फुलेरा-दिल्ली सराय-फुलेरा स्पेशल रेलसेवा 24 फरवरी से 1 मार्च तक फुलेरा से सुबह 11:40 बजे रवाना होकर शाम 6:05 बजे दिल्ली सराय पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 09714 दिल्ली सराय-फुलेरा स्पेशल रेलसेवा 24 फरवरी से 1 मार्च तक चलेगी।

बेटियों के प्रति समाज बदले सोच

महिला थाना प्रभारी पीएसआई सरिता ने कहा कि महिला सशक्तिकरण को साकार रूप देने के लिए समाज में व्यापक बदलाव की जरूरत है। आज के समय बेटियों किसी भी तरह से पीछे नहीं है और समाज को अपनी सोच बदलनी होगी। बेटियों को भी बेटों की तरह मानकर उनको आगे बढ़ने का अवसर दें। समाज को बेटियों के प्रति मेढ़माव पूरी तरह से समाप्त करना होगा।

ने बताया कि डायल-112 एप को इंस्टॉल करके अपनी डिटेल्स जैसे नाम, मोबाइल नंबर व पता एक बार अपडेट करना है, उसके बाद जब भी किसी असुरक्षित परिस्थिति में पुलिस सहायता प्राप्त कर सकती है। यह एप पीडिटा और पुलिस दोनों के लिए सहयोगी के रूप में कार्य करती है। इसके अतिरिक्त छात्राओं को ट्रिप

मॉनिटरिंग सुविधा से अवगत कराया गया। पुलिस टीम ने बताया कि यदि कोई महिला यात्रा के दौरान ट्रिप मॉनिटरिंग की सुविधा प्राप्त करना चाहती है तो 112 पर कॉल करके यह सहायता प्राप्त की जा सकती है। पुलिस टीम ने छात्राओं को बताया कि महिला विरुद्ध अपराधों पर कार्रवाई की जा रही है।

कंपाउंडिंग की ताकत समझें 5,500 की मासिक एसआईपी भी कर देगी लक्ष्य को पूरा

- कंपाउंडिंग में पैसा निवेश और रिटर्न दोनों पर बढ़ता है
- एसआईपी कंपाउंडिंग का सबसे सरल और प्रभावी तरीका है
- 5,500 की मासिक एसआईपी से 10-12 साल में बनेगा बड़ा फंड
- समय और निरंतरता ही कंपाउंडिंग की असली ताकत



बिजनेस डेस्क

निवेश की दुनिया में अगर किसी एक सिद्धांत को सबसे ज्यादा ताकतवर माना जाता है, तो वह है कंपाउंडिंग। यही वह जादू है, जो छोटी-छोटी बचत को समय के साथ एक बड़े फंड में बदल देता है। खासतौर पर सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए कंपाउंडिंग का प्रभाव और भी मजबूत हो जाता है। आज कई लोग यह सोचते हैं कि कम निवेश से बड़ा लक्ष्य कैसे पूरा होगा। लेकिन सच्चाई यह है कि अगर निवेश में समय, निरंतरता और धैर्य हो, तो 5,500 रुपये जैसी मामूली मासिक राशि भी भविष्य में बड़ा कॉर्पस बना सकती है। कंपाउंडिंग का अर्थ है कि आपका पैसा केवल आपकी लागाई गई राशि पर ही नहीं, बल्कि उस पर मिलने वाले रिटर्न पर भी रिटर्न कमाने लगता है। आसान शब्दों में कहें तो "ब्याज पर ब्याज" मिलता है। जैसे-जैसे समय बढ़ता है, कंपाउंडिंग का असर तेजी से बढ़ता चला जाता है। एसआईपी में यह प्रक्रिया स्वाभाविक रूप से होती है क्योंकि आप हर महीने निवेश करते हैं और आपका पैसा लंबे समय तक बाजार में बना रहता है।

एसआईपी से लक्ष्य तक पहुंचने का उदाहरण

- मान लीजिए आप हर महीने 5,500 की एसआईपी शुरू करते हैं और आपको औसतन 12% सालाना रिटर्न मिलता है (यह केवल अनुमान है, वास्तविक रिटर्न बाजार पर निर्भर करता है)।
- मासिक निवेश: 5,500 रुपये
- सालाना निवेश: 66,000 रुपये
- कुल निवेश (11 साल में): लगभग 7,26,000 रुपये
- अनुमानित रिटर्न: लगभग 7,24,000 रुपये
- कुल संभावित कॉर्पस: लगभग 14.5 लाख रुपये
- इस उदाहरण से साफ है कि 11 साल में आपका पैसा लगभग दोगुना हो सकता है, वह भी बिना किसी बड़ी एकमुश्त राशि के।

कंपाउंडिंग के लिए सबसे बेहतर

एसआईपी निवेश को आसान और अनुशासित बनाना है। आपकी बाजार के उतार-चढ़ाव की चिंता नहीं करनी पड़ती और निवेश अपने आप नियमित रूप से होता रहता है। समय के साथ, बाजार की गिरावट और तेजी दोनों का फायदा आपको मिलता है, जिसे रुपी कॉस्ट एवरेजिंग कहा जाता है। एसआईपी खासतौर पर उन लोगों के लिए उपयोगी है जो बच्चों की शिक्षा, घर खरीदने, शादी या मेडिकल खर्च के लिए 6-15 साल के वित्तीय लक्ष्य के लिए धीरे-धीरे मजबूत फंड बनाना चाहते हैं।

कंपाउंडिंग की ताकत इन बातों पर निर्भर
कंपाउंडिंग का असर तीन चीजों से तय होता है इसमें समय, निरंतर निवेश, और धैर्य। जितनी जल्दी आप निवेश शुरू करेंगे और जितने लंबे समय तक निवेश बनाए रखेंगे, कंपाउंडिंग उतनी ही ताकतवर होगी। कंपाउंडिंग यह सिखाती है कि अभी बचने के लिए बड़ी रकम नहीं, बल्कि समय पर सही शुरूआत जरूरी होती है। 5,500 रुपये की एसआईपी जैसी छोटी शुरूआत भी, अगर लंबे समय तक जारी रखी जाए, तो भविष्य में आपको आर्थिक रूप से मजबूत बना सकती है। एसआईपी और कंपाउंडिंग का मेल उन निवेशकों के लिए वरदान है, जो अनुशासन और धैर्य के साथ अपने सपनों को पूरा करना चाहते हैं।

कम पूंजी में बड़ा फंड बनाने को एसआईपी के जरिये करें निवेश

सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान से होगी नियमित बचत की आदत विकसित | हर माह तय राशि निवेश करें और बाजार की चिंता किए बिना लंबे समय का प्लान बनाएं | कम जोखिम के साथ बेहतर रिटर्न की संभावना रुपये की लागत औसत के कारण निवेश संतुलित

बिजनेस डेस्क

आज के समय में जब शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव आम बात हो गई है, ऐसे में आम निवेशक के लिए सुरक्षित और अनुशासित निवेश का रास्ता चुनना बेहद जरूरी हो गया है। सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान यानी एसआईपी इसी जरूरत को पूरा करता है। एसआईपी ने खासतौर पर नए और मध्यम वर्ग के निवेशकों के बीच लोकप्रियता हासिल की है, क्योंकि इसमें कम रकम से नियमित निवेश कर लंबी अवधि में मजबूत संपत्ति बनाई जा सकती है। एसआईपी के जरिए निवेशक हर महीने या तय समय अंतराल पर म्यूचुअल फंड में एक निश्चित राशि निवेश करता है। यह तरीका न केवल निवेश में अनुशासन लाता है, बल्कि बाजार की अस्थिरता से होने वाले जोखिम को भी काफी हद तक कम करता है। यही कारण है कि वित्तीय विशेषज्ञ एसआईपी को लंबी अवधि के निवेश के लिए सबसे प्रभावी माध्यम मानते हैं। इस रिपोर्ट के जरिये हम आपको बताएंगे कि एसआईपी में निवेश कर कैसे आप कम पूंजी में बड़ा फंड तैयार कर सकते हैं। सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) म्यूचुअल फंड में निवेश करने का एक ऐसा तरीका है, जिसमें निवेशक एक निश्चित राशि को नियमित अंतराल जैसे मासिक, तिमाही या साप्ताहिक निवेश करता है। इसमें निवेशक को एकमुश्त बड़ी रकम लगाने की जरूरत नहीं होती। एसआईपी अपने आप बैंक खाते से तय तारीख को कट जाती है और चुनी गई म्यूचुअल फंड स्कीम में निवेश हो जाती है। एसआईपी का सबसे बड़ा फायदा यह है कि इसमें बाजार की टाइमिंग करने की जरूरत नहीं पड़ती। बाजार ऊपर हो या नीचे, निवेश नियमित रूप से चलता रहता है। जब बाजार गिरता है, तब उसी रकम से ज्यादा यूनिट मिलती हैं और जब बाजार ऊपर जाता है, तब कम यूनिट मिलती हैं। इस प्रक्रिया को रफ्या लागत औसत कहा जाता है, जो लंबे समय में निवेश की औसत लागत को संतुलित करता है।



कंपाउंडिंग का मिलता है लाभ

इसके अलावा एसआईपी में चक्रवृद्धि (कंपाउंडिंग) का लाभ भी मिलता है। निवेश से मिलने वाला रिटर्न दोबारा निवेश होता है, जिससे समय के साथ रिटर्न पर भी रिटर्न मिलने लगता है। जितनी जल्दी निवेश शुरू किया जाए और जितनी लंबी अवधि तक एसआईपी जारी रखी जाए, उतना ही अधिक फायदा मिलता है। एसआईपी की खास बात यह भी है कि इसे बहुत छोटी राशि से शुरू किया जा सकता है। आज कई म्यूचुअल फंड स्कीम में 500 या 1,000 रुपये प्रति माह से एसआईपी शुरू की जा सकती है, जिससे यह हर वर्ग के निवेशक के लिए सुलभ बन जाती है।

एसआईपी में निवेश के फायदे

एसआईपी केवल निवेश का तरीका नहीं, बल्कि एक वित्तीय आदत है जो व्यक्ति को भविष्य के लिए तैयार करती है। यह खासतौर पर उन लोगों के लिए फायदेमंद है जो जोखिम से बचते हुए धीरे-धीरे संपत्ति बनाना चाहते हैं। एसआईपी निवेशक को अनुशासन सिखाता है। तय तारीख पर निवेश होने से खर्चों पर नियंत्रण रहता है और बचत की आदत मजबूत होती है। इसके अलावा, एसआईपी भावनात्मक फैसलों से भी बचाता है। अक्सर निवेशक बाजार गिरने पर घबरा जाते हैं और निवेश बंद कर देते हैं, लेकिन एसआईपी में नियमित निवेश से यह डर कम हो जाता है। एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड में निवेश करने पर विविधीकरण का लाभ भी मिलता है।

बिजनेस डेस्क

एसआईपी में निवेश क्यों करें
■ नियमित और अनुशासित निवेश: एसआईपी निवेश में निरंतरता लाता है और बाजार की टाइमिंग की चिंता खत्म करता है।
■ कम रकम से शुरूआत: 500 रुपये जैसी छोटी राशि से भी निवेश संभव, जिससे हर वर्ग के लोग निवेश कर सकते हैं।
■ रुपया लागत औसत और चक्रवृद्धि का लाभ: बाजार के उतार-चढ़ाव में भी संतुलित रिटर्न और लंबी अवधि में तेज वृद्धि।
■ विविधीकरण और कम लाभ: म्यूचुअल फंड के जरिए जोखिम कम और इंप्लेक्सस के माध्यम से टेक्स में बचत।

एसआईपी के ये भी लाभ

कर बचत की दृष्टि से भी एसआईपी फायदेमंद है। इक्विटी लिंक्ड सेविंग स्कीम (ईएलएसएस) में एसआईपी के जरिए निवेश करने पर आयकर अधिनियम की धारा 80सी के तहत कर में छूट मिलती है। इससे निवेश के साथ-साथ टैक्स प्लानिंग भी हो जाती है। लंबी अवधि में एसआईपी महंगाई को मात देने में मदद करता है। एकफडी या पारंपरिक बचत योजनाओं की तुलना में इक्विटी आधारित एसआईपी अधिक रिटर्न देने की क्षमता रखती है, जिससे भविष्य की जरूरतों जैसे बच्चों की शिक्षा, घर खरीदना या रिटायरमेंट के लिए मजबूत फंड तैयार किया जा सकता है।

निवेश करना आसान

आज के डिजिटल युग में एसआईपी के जरिये निवेश करना बेहद आसान हो गया है। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म, मोबाइल ऐप और एसआईपी कैलकुलेटर की मदद से निवेशक अपने लक्ष्य के अनुसार निवेश राशि और अवधि तय कर सकते हैं। एसआईपी कैलकुलेटर संभावित रिटर्न का अनुमान लगाकर निवेश की सही योजना बनाने में मदद करता है। कुल मिलाकर, एसआईपी उन लोगों के लिए एक आदर्श विकल्प है जो कम जोखिम में, नियमित निवेश के जरिए लंबी अवधि में संपत्ति बनाना चाहते हैं। चाहे आप नौकरीपेशा हों, स्वरोजगार में हों या निवेश की शुरूआत कर रहे हों, एसआईपी हर किसी के लिए एक भरोसेमंद निवेश माध्यम है।

एक साल के लिए निवेश करना है तो ये हो सकते हैं बेहतर विकल्प

बिजनेस डेस्क। जब भी निवेश की बात आती है, ज्यादातर लोग रिटायरमेंट, बच्चों की शिक्षा या घर खरीदने जैसे लंबे समय के लक्ष्यों पर ध्यान देते हैं, लेकिन वित्तीय योजना में शॉर्ट-टर्म निवेश भी उतना ही जरूरी होता है। इमरजेंसी फंड बनाना, अतिरिक्त पैसे को सुरक्षित जगह रखना या किसी नजदीकी खर्च के लिए रकम जुटाना इन सभी के लिए 1 साल की निवेश योजना बेहद उपयोगी साबित होती है। केवल लंबी अवधि के निवेश पर निर्भर रहना कई बार जोखिम भरा हो सकता है। अचानक जरूरत पड़ने पर अगर आपके लॉन्ग-टर्म निवेश तोड़ना पड़े, तो नुकसान भी हो सकता है। ऐसे में 1 साल तक के शॉर्ट-टर्म इन्वेस्टमेंट विकल्प न सिर्फ पूंजी की सुरक्षा करते हैं, बल्कि सेविंग अकाउंट से बेहतर रिटर्न भी दे सकते हैं। अधिकांश लोग निवेश को लंबे समय के लक्ष्यों जैसे रिटायरमेंट, बच्चों की शिक्षा या घर खरीदने से जोड़कर देखते हैं, लेकिन वित्तीय योजना में शॉर्ट-टर्म निवेश की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है। इमरजेंसी फंड तैयार करना, अतिरिक्त पैसे को सुरक्षित जगह पर रखना या किसी नजदीकी खर्च के लिए राशि जुटाना इन सभी के लिए 1 साल की निवेश योजना बेहद उपयोगी साबित होती है।

- 1. बैंक फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी)**
बैंक एफडी भारत में सबसे भरोसेमंद निवेश विकल्पों में से एक है। 7 दिन से लेकर 1 साल तक के लिए एफडी करवाएं।
फायदे: पूंजी की सुरक्षा, तय व सुनिश्चित रिटर्न, जोखिम ना के बराबर, सरकारी, निजी और स्मॉल फाइनेंस बैंक अलग-अलग ब्याज दर देते हैं, इसलिए निवेश से पहले तुलना करना जरूरी है। पोस्ट ऑफिस टाइम डिपॉजिट सुरक्षित विकल्प।
- 2. सेविंग अकाउंट स्वीप-इन एफडी**
यह सुविधा सेविंग अकाउंट और एफडी का मिश्रण है। इसमें तय सीमा से ज्यादा पैसा अपने आप एफडी में चला जाता है।
फायदे: जरूरत पड़ने पर तुरंत पैसा उपलब्ध, सेविंग अकाउंट से ज्यादा ब्याज ऑटोमैटिक और सुविधाजनक, यह विकल्प उन लोगों के लिए अच्छा है, जिन्हें लिक्विडिटी भी चाहिए और बेहतर रिटर्न भी।
- 3. रिटर्निंग डिपॉजिट (आरडी)**
अगर आप एकमुश्त रकम निवेश नहीं करना चाहते, तो आरडी अच्छा विकल्प है। इसमें हर महीने एक तय राशि जमा की जाती है।
फायदे: छोटी रकम से शुरूआत, नियमित बचत की आदत, सुरक्षित और स्थिर रिटर्न सैलरी वाले वाले निवेशकों के लिए यह विकल्प खासतौर पर उपयोगी है।
- 4. डेट म्यूचुअल फंड**
डेट फंड सरकारी बॉन्ड, ट्रेजरी बिल और अच्छी क्वालिटी के कॉर्पोरेट बॉन्ड में निवेश करते हैं।
1 साल के लिए उपयुक्त कैटेगरी: शॉर्ट ट्रेजरी बॉन्ड फंड, मनी मार्केट फंड, लो ड्यूरेशन फंड, इनमें एफडी से थोड़ा बेहतर रिटर्न मिलने की संभावना होती है, हालांकि थोड़ा जोखिम भी रहता है।
- 5. लिक्विड फंड**
लिक्विड फंड बहुत कम अवधि के लिए बनाए गए होते हैं, लेकिन 1 साल तक निवेश के लिए भी इस्तेमाल किए जा सकते हैं।
फायदे: 1 कार्यदिवस में पैसा उपलब्ध, सेविंग अकाउंट से बेहतर रिटर्न, कम जोखिम, अतिरिक्त पैसे को पार्क करने के लिए यह बेहतरीन विकल्प है।
- 6. कॉर्पोरेट फिक्स्ड डिपॉजिट**
कई कंपनियां बैंक एफडी से ज्यादा ब्याज पर एफडी ऑफर करती हैं।
ध्यान रखें: कंपनी की क्रेडिट रेटिंग जरूर जांचें, केवल मजबूत वित्तीय स्थिति वाली कंपनियों में निवेश करें, ज्यादा रिटर्न के साथ जोखिम भी ज्यादा, जो निवेशक थोड़ा जोखिम उठा सकते हैं, उनके लिए यह विकल्प उपयुक्त है।

इंश्योरेंस कमाई बचाने की ढाल
कमाई बढ़ाने के साथ-साथ उसे सुरक्षित रखना भी उतना ही जरूरी है। हेल्थ इंश्योरेंस अचानक आने वाले मेडिकल खर्चों से बचाता है और लाइफ इंश्योरेंस परिवार को आर्थिक सुरक्षा देता है। कई लोग इसे खर्च समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन असल में यह आपकी कमाई की सुरक्षा करके होता है। सही समय पर लिया गया इंश्योरेंस सालों की मेहनत को एक झटके में खत्म होने से बचा सकता है।
नई रिटर्न से खुलेंगे नए रास्ते
आज का जॉब मार्केट तेजी से बदल रहा है। जो स्क्रिप्ट्स आज काम की हैं, जल्दी नहीं की कल भी उतनी ही जरूरी रहें। इसलिए लगातार सीखते रहना अब विकल्प नहीं, मजबूरी बन चुका है। नई रिटर्न से आपको सिर्फ नई नौकरी ही नहीं, बल्कि साइड इनकम और बेहतर प्रोफेशनल मौके भी मिल सकते हैं। जब आपके पास विकल्प होते हैं, तो आप ज्यादा आत्मविश्वास और सुरक्षित महसूस करते हैं।
लाइफटाइल और कमाई में संतुलन जरूरी
कमाई बढ़ाने के साथ खर्च बढ़ाना स्वाभाविक है, लेकिन अगर सारा पैसा सिर्फ बेहतर लाइफस्टाइल में ही चला जाए, तो भविष्य फिर भी अशुभ रहता है। समझदारी इसी में है कि इनकम बढ़ाने पर बचत और निवेश भी उसी अनुपात में बढ़ें। इससे आप आज की जिंदगी का मजा भी तो पाएंगे और कल की चिंता भी कम रहेगी।

माता-पिता को सही प्लानिंग करनी होगी, तभी वे बच्चों के सपने पूरे कर पाएंगे

बच्चों की उच्च शिक्षा के लिए समय रहते ठोस और संतुलित निवेश योजना बनाएं

बढ़ती महंगाई के दौर में बच्चों की उच्च शिक्षा के लिए प्लानिंग जरूरी, आज हर परिवार की वित्तीय योजना को प्रभावित किया

योजना
बिजनेस डेस्क
तेजी से बढ़ती महंगाई ने आज हर परिवार की वित्तीय योजना को प्रभावित किया है। खासतौर पर बच्चों की शिक्षा, जो कभी एक सामान्य खर्च मानी जाती थी, अब माता-पिता के लिए सबसे बड़ी वित्तीय जिम्मेदारी बन चुकी है। स्कूल से लेकर कॉलेज और फिर उच्च शिक्षा तक, फीस में हो रही बढ़ोतरी सामान्य महंगाई दर से कहीं ज्यादा है। इंटरनेशनल बोर्ड, विदेश में पढ़ाई, प्रोफेशनल और स्पेशल कोर्स, हॉस्टल और रहने का खर्च ये सभी मिलकर शिक्षा को और महंगा बना रहे हैं। ऐसे समय में अगर माता-पिता अभी से सही प्लानिंग नहीं करते, तो भविष्य में बच्चों के सपनों से समझौता करना पड़ सकता है। इसलिए जरूरी है कि बच्चों की उच्च शिक्षा के लिए समय रहते एक ठोस और संतुलित निवेश योजना बनाई जाए। इस रिपोर्ट के जरिये हम आपको बताएंगे कि बच्चों की शिक्षा के लिए शुरू से ही कैसे रणनीति बनाएं।

एसआईपी की जल्दी शुरूआत करें
बच्चों की शिक्षा के लिए निवेश की सबसे बड़ी कुंजी है जल्दी शुरूआत। जितना जल्दी आप निवेश शुरू करेंगे, उतना ही ज्यादा आपका कंपाउंडिंग का फायदा मिलेगा। एसआईपी यानी सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान, शिक्षा फंड बनाने का एक बेहद कारगर तरीका है। एसआईपी के जरिए आप हर महीने एक तय राशि म्यूचुअल फंड में निवेश कर सकते हैं। इससे बाजार के उतार-चढ़ाव का असर कम होता है और लंबी अवधि में निवेश बेहतर रिटर्न दे सकता है। अगर बच्चे की उम्र कम है, तो आप इक्विटी आधारित फंड में ज्यादा निवेश कर सकते हैं, क्योंकि लंबा समय जोखिम को संतुलित कर देता है।

समय के साथ निवेश में बदलाव
कई माता-पिता बच्चों की शिक्षा के लिए सिर्फ एक ही तरह के निवेश पर निर्भर रहते हैं, जो आगे चलकर जोखिम भरा हो सकता है। सही रणनीति यह है कि समय के हिसाब से निवेश का संतुलन बदला जाए। जब बच्चा छोटा हो, तब इक्विटी फंड में निवेश ज्यादा रखा जा सकता है। लेकिन जैसे-जैसे कॉलेज या उच्च शिक्षा का समय नजदीक आता है, वैसे-वैसे जोखिम कम करना जरूरी हो जाता है। ऐसे समय में डेट फंड, फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी), सेविंग अकाउंट या शॉर्ट-टर्म इंट्रमैट जैसे सुरक्षित विकल्पों में पैसा शिफ्ट करना समझदारी होती है। इससे बाजार गिरने की स्थिति में फीस के समय पैसों की कमी नहीं होगी।

केवल फीस नहीं, पूरे खर्च का रखें ध्यान
अक्सर माता-पिता शिक्षा की प्लानिंग करते समय सिर्फ ट्यूशन या कॉलेज फीस को ही ध्यान में रखते हैं, जबकि असल खर्च इससे कहीं ज्यादा होता है। बच्चों की उच्च शिक्षा से जुड़े कई अतिरिक्त खर्च होते हैं, जैसे: हॉस्टल या रहने का खर्च, किताबें और स्टडी मटेरियल, लैपटॉप, टैबलेट और अन्य गैजेट्स, हेल्थ इंश्योरेंस, यात्रा खर्च, एप्लिकेशन और एंटरटेनमेंट फीस, इंटरनेट और प्रोजेक्ट से जुड़े खर्च आदि। अगर बच्चा विदेश में पढ़ाई करना चाहता है, तो वहां रहने, वीजा, बीमा और ट्रेवल का खर्च और भी ज्यादा हो सकता है। इसलिए शिक्षा फंड बनाने समय इन सभी खर्चों को शामिल करना बेहद जरूरी है।

एजुकेशन लोन को पूरी तरह न नकारें
कई माता-पिता एजुकेशन लोन को गलत मानते हैं और इससे पूरी तरह बचना चाहते हैं। लेकिन यह सोच हमेशा ही सही नहीं होती। सही योजना और समझदारी के साथ लिया गया एजुकेशन लोन कई मामलों में फायदेमंद साबित हो सकता है।

एजुकेशन लोन के लाभ
■ रिटायरमेंट फंड को सुरक्षित रखना है
■ एकमुश्त निवेश निकालने का दबाव कम करता है
■ टेक्स में छूट का लाभ मिल सकता है
■ पढ़ाई के बाद बच्चा खुद लोन चुकाने में सक्षम होता है
■ हालांकि, लोन लेने से पहले उसकी ब्याज दर, चुकाने की अवधि और भविष्य की आय को जरूर ध्यान में रखें।
लक्ष्य आधारित निवेश योजना बनाएं
बच्चों की शिक्षा के लिए निवेश करते समय लक्ष्य स्पष्ट होना चाहिए। किस उम्र में, किस देश में और किस कोर्स के लिए पढ़ाई करानी है। जब लक्ष्य साफ होता है, तो सही निवेश विकल्प चुनना आसान हो जाता है। इसके लिए आप एजुकेशन एसआईपी, चाइल्ड फंड, बैलेंस्ड म्यूचुअल फंड, डेट और इक्विटी का मिश्रण जैसे विकल्पों का उपयोग कर सकते हैं। समय-समय पर अपनी योजना की समीक्षा करना भी जरूरी है, ताकि बदलती जरूरतों के अनुसार निवेश में सुधार किया जा सके।

योजना बनाना अब विकल्प नहीं, बल्कि जरूरत
बढ़ती महंगाई के इस दौर में बच्चों की उच्च शिक्षा की योजना बनाना अब विकल्प नहीं, बल्कि जरूरत बन चुका है। केवल एसआईपी शुरू कर देना ही काफी नहीं है, बल्कि सही समय पर निवेश, जोखिम का संतुलन, अन्य खर्चों की गणना और जरूरत पड़ने पर एजुकेशन लोन का समझदारी से इस्तेमाल करना भी उतना ही जरूरी है। अगर माता-पिता आज से सही निवेश योजना बनाते हैं, तो आने वाले समय में बच्चों के सपनों को पूरा करने में कोई आर्थिक बाधा नहीं आएगी। सही प्लानिंग न सिर्फ बच्चों का भविष्य सुरक्षित करती है, बल्कि माता-पिता को भी मानसिक शांति देती है।

अप्रैल 2023 से नहीं की जा रही यूथ हॉस्टल की देखरेख

दो साल नौ माह से बंद पड़ा यूथ हॉस्टल मेंटेनेंस के अभाव में जर्जर हो रहा भवन

■ अभी तय नहीं हुआ खेल विभाग के पास रहेगा या स्कूल डेपलपमेंट विभाग को सौंपा जाएगा यूथ हॉस्टल

हेमंत शर्मा ►► रेवाड़ी



रेवाड़ी। ढाई साल से अधिक समय से बंद पड़ा यूथ हॉस्टल तथा यूथ हॉस्टल में जमा गंदगी व ऊगी खरपतवार।



फोटो : हरिभूमि

सैनिक स्कूल को गोठड़ा स्थित नए भवन में शिफ्ट हुए दो साल 9 माह से अधिक समय बीत चुका है। इतने लंबे समय से यूथ हॉस्टल बंद पड़ा हुआ है। देखरेख व मेंटेनेंस के अभाव में यूथ हॉस्टल के भवन की जर्जर अवस्था होती जा रही है। फरवरी 2025 में सैनिक स्कूल की ओर से खेल एवं युवा कार्यक्रम विभाग को यूथ हॉस्टल हैंडओवर किया गया था, जिसके बाद से यूथ हॉस्टल की दशा सुधारने की ओर कोई कदम नहीं उठाया गया है। क्योंकि दो विभागों में असमंजस की स्थिति बनी हुई है कि यूथ हॉस्टल खेल एवं युवा कार्यक्रम विभाग के पास रहेगा या स्कूल डेपलपमेंट विभाग को सौंपा जाएगा। यूथ हॉस्टल की जिम्मेदारी को लेकर खेल विभाग निदेशालय को पिछले दिनों पत्र लिखने के साथ रिमांड भी भेजा जा चुका है, लेकिन अभी तक

►► फरवरी 2025 के बाद हुए खस्ता हाल

►► यूथ हॉस्टल के लिए निदेशालय से नहीं आया जवाब

निदेशालय से कोई जवाब नहीं दिया गया है और न ही निर्णय हो पाया है कि हॉस्टल किसको सौंपा जाएगा। फरवरी 2025 में डीसी अभिषेक मीणा की ओर से जिला खेल परिषद की बैठक में खेल विभाग को सैनिक स्कूल से यूथ हॉस्टल का चार्ज लेने के निर्देश दिए गए थे, जिसके बाद खेल विभाग ने प्रक्रिया शुरू की। सैनिक स्कूल प्रबंधन से यूथ हॉस्टल को वापस लेने के लिए कमेटी का

गठन किया गया। इसके बाद खेल विभाग को यूथ हॉस्टल हैंडओवर किया गया। ढाई साल से अधिक समय से बंद पड़े यूथ हॉस्टल की हालत दयनीय हो चुकी है। खेल अधिकारी का कहना है कि अभी यूथ हॉस्टल के लिए निदेशालय से जवाब नहीं आया है। अगर यूथ हॉस्टल खेल विभाग के पास रहता है तो इसका एस्टीमेट बनाकर दशा सुधारने का कार्य शुरू होगा।

बिगड़ती जा रही यूथ हॉस्टल की हालत

खेल एवं कार्यक्रम विभाग के राव तुलाराम स्टेडियम के पास बने हुए यूथ हॉस्टल में करीब 2008-09 से सैनिक स्कूल के कैंटेन्स के लिए छात्रावास बनाया हुआ था। सैनिक स्कूल का छात्रावास अप्रैल 2023 में गोठड़ा के नए भवन में शिफ्ट हो चुका है। करीब 15 साल तक यूथ हॉस्टल सैनिक स्कूल के पास रहा। इस बीच इसका मेंटेनेंस भी नहीं किया गया। अब ढाई साल से अधिक समय से बंद पड़े यूथ हॉस्टल की दशा और भी बिगड़ चुकी है, जिसका मेंटेनेंस होना जरूरी है। बंद पड़े यूथ हॉस्टल में खरपतवार जमा चुकी है। समस्या के समाधान के लिए खेल विभाग की ओर से खेल निदेशालय को पत्र भी लिखा गया है।

विभाग शुरू कर सकता ट्रेनिंग सेंटर

अगर यूथ हॉस्टल खेल विभाग को मिलता है तो विभाग की ओर से किसी खेल का प्रशिक्षण केंद्र शुरू किया जा सकता है। राव तुलाराम स्टेडियम में एक ही हॉल में वुडू टेबल टेनिस व जूडो का सेंटर चल रहा है। यूथ हॉस्टल के मिलने पर इसमें खेल प्रशिक्षण सेंटर शुरू किए जा सकते हैं। इससे खिलाड़ियों को भी सहुलियत मिलेगी।

हालत हुई दयनीय

मेंटेनेंस के बिना यूथ हॉस्टल की हालत दयनीय हो चुकी है। यूथ हॉस्टल को लेकर अभी स्थिति साफ नहीं हो पाई है कि ये खेल विभाग के पास रहेगा या कोशल विभाग को सौंपा जाएगा। निदेशालय से जवाब आने के बाद ही यूथ हॉस्टल के मेंटेनेंस की दिशा में कदम उठाया जाएगा। - ममता यादव, डीएसओ, रेवाड़ी।

खबर संक्षेप

अंडर-14 वालीबॉल स्पर्धा के लिए ट्रायल आज

रेवाड़ी। वालीबॉल एसोसिएशन हरियाणा के तत्वावधान में आगामी 14 व 15 फरवरी को जीर्द में आयोजित होने वाली गर्ल्स व ब्याज की दसवीं सब जूनियर अंडर-14 वालीबॉल प्रतियोगिता के लिए खिलाड़ियों का ट्रायल होगा। जिला वालीबॉल संघ की ओर से 8 फरवरी को दोपहर 12 बजे दिल्ली रोड स्थित राव तुलाराम स्टेडियम में ट्रायल लिया जाएगा।

मनेठी में मेघवाल समाज की बैठक आज

रेवाड़ी। मेघवाल उत्थान समिति की ओर से गांव मनेठी 8 फरवरी को सुबह 11 बजे समाज की बैठक का आयोजन किया जाएगा।

खेल नर्सरी के लिए 15 तक मांगे आवेदन

रेवाड़ी। खेल विभाग हरियाणा की ओर से सरकारी स्कूल, ग्राम पंचायत व निजी शिक्षण संस्थानों से खेल नर्सरी स्थापित करने के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक संस्थान 15 फरवरी तक विभागीय वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। जिला खेल अधिकारी ममता ने बताया कि खेल नर्सरी योजना 2026-27 के खेलों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आवेदन आमंत्रित किए हैं।

कार्यक्रम प्रतिस्पर्धा भरी जिंदगी में बीमारियों का स्थायी ईलाज बना योग

कॉर्पोरेट क्षेत्र में योग को जोड़कर विद्यार्थी सुनहरा भविष्य रच सकते: योगाचार्य सुरेश

■ इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय में योग कॉर्पोरेट क्षेत्र में करियर पर छात्रों को किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ►► गीरपुर

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय के योग विभाग की ओर से योग: कॉर्पोरेट क्षेत्र में उज्वल करियर विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस मौके पर भारत स्वाभिमान महाराष्ट्र के राज्य प्रभारी योगाचार्य सुरेश यादव ने कहा कि आत्मविश्वास, तन्मयता और विकल्परहित संकल्प के साथ योग को जीवन में अपनाने से न केवल व्यक्तिगत बदलाव आता है, बल्कि समाज को भी दिशा मिलती है। उन्होंने कहा कि कॉर्पोरेट क्षेत्र में योग को जोड़कर विद्यार्थी सुनहरा भविष्य रच सकते हैं। योगाचार्य सुरेश ने कहा कि प्रतिस्पर्धा और भागदौड़ भरी जिंदगी से शहरी-



रेवाड़ी। कार्यक्रम में योग विशेषज्ञों के साथ विद्यार्थी।

फोटो : हरिभूमि

योग-अभिनय एक-दूसरे के पूरक

इस मौके पर फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े विजय माटोटिया ने भी योग के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि अभिनय कला में शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य अनिवार्य है और योग-अभिनय एक-दूसरे के पूरक है। योग विभागाध्यक्ष डा. श्रुति ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर योग विभाग से प्राध्यापक डा. अमनदीप, डा. धर्मवीर योगाचार्य, प्रवीण कुमार व अमित कुमार ने भी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया।

प्राचीन दोनों क्षेत्रों के लोग असंख्य बीमारियों से जूझ रहे हैं। इनका स्थायी समाधान केवल योग ही है। इसलिए देश-विदेश में योग शिक्षकों की मांग तेजी से बढ़ रही है। उन्होंने विद्यार्थियों से योग पढ़ाई के साथ स्कूल डेवलपमेंट और क्युनिकेशन पर फोकस करने की अपील की। सहायक प्राध्यापक डा. जयपाल सिंह राजपूत ने विद्यार्थियों को भविष्य के प्रति सजग रहने और कौशलव्युक्त बनने की प्रेरणा दी।

माता रमाबाई का जीवन संघर्ष की मिसाल: पंवार

हरिभूमि न्यूज ►► रेवाड़ी

संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहेब डा. भीमराव अंबेडकर की धर्मपत्नी त्याग एवं संघर्ष की प्रतिमूर्ति माता रमाबाई अंबेडकर की जयंती शनिवार को माता रमाबाई सामाजिक उत्थान संस्था की ओर से अंबेडकर भवन आजाद नगर में हर्षोल्लास व श्रद्धा के साथ मनाई गई। समारोह में मुख्य अतिथि डा. निर्मल भागोतिया



डेंटल सर्जन थी, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता समाज सेविका माया देवी ने की। कार्यक्रम का संचालन सुमित्रा अहरोरिया ने किया।

मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना के तहत चल रही फ्लैट की बुकिंग प्रक्रिया

रेवाड़ी। मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना के तहत जिन आवेदकों ने फ्लैट के लिए पंजीकरण कराया था तथा भौतिक सत्यापन प्रक्रिया में पात्र पाए गए हैं, ऐसे आवेदकों को फ्लैटों के लिए बुकिंग 29 जनवरी से शुरू हो चुकी है। डीसी अभिषेक मीणा ने बताया कि मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत नगर एवं ग्राम आवास योजना विभाग से लाइसेंस प्राप्त कॉलोनियों में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए आरक्षित फ्लैटों के आवेदन की नीति 23 अक्टूबर 2025 के अंतर्गत रेवाड़ी सहित गुरुग्राम, फरीदाबाद, पानीपत व रोहतक शहर में फ्लैट बुकिंग प्रक्रिया आरंभ हो चुकी है। उन्होंने बताया कि बुकिंग की राशि 10 हजार रूपए निर्धारित की गई है।

माता रमाबाई और ललई सिंह को किया याद

हरिभूमि न्यूज ►► रेवाड़ी

कांग्रेस के एससी सैल कार्यालय में शनिवार को माता रमाबाई की जयंती एवं समाजवादी चिंतक ललई सिंह यादव की पुण्यतिथि मनाई गई। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष रमेश ठेकेदार ने कहा कि माता रमाबाई सामाजिक न्याय, नारी सशक्तिकरण और दलित उत्थान की सशक्त प्रतीक थीं। उन्होंने बाबा साहेब डा. भीमराव अंबेडकर के साथ मिलकर अपना संपूर्ण जीवन शोषित, वंचित और पिछड़े वर्गों के अधिकारों के लिए संघर्ष करते हुए समर्पित कर दिया। समाज हित में उनका योगदान अतुलनीय है,



जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। ठेकेदार ने कहा कि ललई सिंह यादव समाजवादी विचारधारा के प्रखर चिंतक थे, जिन्होंने आजीवन सामाजिक समानता, धर्मनिरपेक्षता और संविधानिक मूल्यों की रक्षा के लिए संघर्ष किया। उन्होंने कहा कि इन महान विभूतियों के जीवन से हमें संघर्ष, साहस और समाज के लिए निस्वार्थ सेवा की प्रेरणा मिलती है।

नीतू ने नेट-जेआरएफ में पाई सफलता

रेवाड़ी। रालियावास निवासी नीतू यादव ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उपलब्धि हासिल करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का परचम लहराया है। रिटायर्ड गणित प्रवक्ता रामनिवास यादव की बेटी नीतू यादव ने एनटीए की ओर से आयोजित यूजीसी नेट-जेआरएफ परीक्षा पर्यावरण विज्ञान विषय में दूसरे प्रयास में उत्तीर्ण की है। नीतू ने भारत में टॉप रेकर्स की सूची में स्थान भी प्राप्त किया है। नीतू यादव ने परीक्षा में 100 पर्सेंटाइज अंक हासिल किए। नीतू ने अपनी सफलता का श्रेय पिता रामनिवास यादव व सेक्टर-4 निवासी सखुर् जितेंद्र यादव को दिया है।

ज्योति ने जेआरएफ परीक्षा की उत्तीर्ण

मीरपुर। इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग की द्वितीय वर्ष की छात्रा ज्योति ने यूजीसी जेआरएफ परीक्षा में सफलता प्राप्त की है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर असीम मिगलानी ने छात्रा ज्योति को जेआरएफ परीक्षा उत्तीर्ण करने पर बधाई दी एवं ओर कड़ी मेहनत के साथ आगे बढ़ते रहने के लिए प्रोत्साहित किया। अधिष्ठाता छात्र कल्याण विभाग प्रोफेसर करण सिंह व भूगोल विभागाध्यक्ष डा. विपिन कुमार सहित विभाग के सभी शिक्षकों ने छात्रा एवं उसके परिवार को इस सफलता के लिए बधाई दी।

In Loving Memory of
Smt. Ram Bhateri
1938 - 05 February 2026

With deep sorrow and heavy hearts, the Gehlawat family informs the peaceful passing of Smt. Ram Bhateri, aged 88, on February 5, 2026.

Born in Village Kultana, Haryana, she embraced the values of strength, grace, and devotion from a young age. She married Sepoy Dhoop Singh of 6 MAHAR Regiment, a courageous martyr and war hero of the 1962 conflict. At the tender age of 25, she became a war widow, tasked with nurturing their 8-month-old son. As the brave wife of a soldier who sacrificed his life for the nation, she shouldered her responsibilities with remarkable courage and quiet resilience. Her life stood as a testament to sacrifice, dignity, and unwavering patriotism.

Smt. Ram Bhateri was celebrated for her brave spirit, gentle wisdom, and boundless love. She raised her family with strength and compassion, imparting values rooted in integrity and affection across generations. Her warmth touched everyone who had the honor of knowing her. Though she has departed from this world, her blessings, teachings, and memories will forever remain etched in our hearts.

She is survived and will be deeply remembered by:

- Son: Lt Col Niranjan Singh Gehlawat (Retd), Director Contracts
- Daughter-in-law: Smt. Santosh Kumari, Sanskrit Lecturer (Retd)
- Grandchildren: Mr. Prince Gehlawat & Maj. Shailli Gehlawat
- Granddaughter-in-law: Mrs. Preeti Rana, Manager, SBI
- Grandson-in-law: Maj. Abhishek Singh Thakur
- Great-grandchildren: Advaita, Advik & Tejas

She will be lovingly remembered and profoundly missed by the entire Gehlawat, Sheoran, Rana, and Thakur families.

For condolences, please contact:
+91 9530758981
+91 9050889557

Om SHANTI Om



बोल्ड कैसल अमेरिका

बोल्ड कैसल एलेक्जेंड्रिया बे, न्यूयॉर्क में हार्ट आइलैंड पर स्थित एक शानदार ऐतिहासिक महल और लोकप्रिय पर्यटन केंद्र है। इसे जॉर्ज सी बोल्ड ने अपनी पत्नी लुईस के लिए, अपने प्यार की निशानी के तौर पर बनवाना शुरू किया था। लेकिन लुईस के निधन के बाद यह अधूरा रह गया। यह एक छह मंजिला, 120 कमरों वाली राइनलैंड शैली की संरचना है, जिसमें सुरंगें, इटालियन उद्यान, एक ड्रॉब्रिज और एक ओपेस्टर टॉवर नामक बच्चों का प्लेहाउस भी है। इसका निर्माण 1900 में शुरू हुआ था, लेकिन जनवरी 1904 में लुईस की अचानक मृत्यु के बाद, जॉर्ज बोल्ड का मन टूट गया। फिर उन्होंने इसे अधूरा छोड़ दिया। लेकिन यह अधूरा स्मारक, प्रेम की निशानी के तौर पर दुनिया भर में जाना जाता है।

शैटो डी चेनोसो फ्रांस

महिलाओं का महल कहे जाने वाले इस महल की दीवारों में कई प्रेम कहानियां और रानियों के किस्से छिपे हैं। शैटो डी चेनोसो को अक्सर 'प्यार और प्रतिद्वंद्विता की निशानी' के रूप में देखा जाता है। इसकी कहानी एक प्रसिद्ध शाही प्रेम त्रिकोण से संबंधित है। दरअसल, वर्ष 1547 में फ्रांस के राजा हेनरी द्वितीय ने इस महल को अपनी प्रेमिका डायने डी पोइटियर्स को उपहार स्वरूप दिया था, जिसे वह गहरा प्रेम करते थे। डायने ने ही शेर नदी पर वह प्रसिद्ध मेहराबदार पुल बनवाया था, जो आज इस महल की सबसे बड़ी पहचान है। लेकिन हेनरी की मृत्यु के बाद, उनकी पत्नी रानी कैथरीन डी मेडीसी ने ईर्ष्यावश डायने को इस महल से निकाल दिया और खुद इस पर कब्जा कर लिया।

जूलियट का घर इटली

इटली देश के वेरोना में स्थित 'कासा डी गियुलियेट्टा' विलियम शेक्सपियर के पात्रों रोमियो और जूलियट के अमर प्रेम की याद दिलाता है। जूलियट का घर कासा डि गियुलियेट्टा, 13वीं सदी

वेगिसाल / शिखर चंद्र गैंग

दुनिया भर में अलग-अलग स्थानों पर प्रेम के ऐसे स्मारक मौजूद हैं, जो अमर प्रेम की कहानियों के गवाह हैं। ये ऐतिहासिक स्मारक न केवल अब विश्व धरोहर माने जाते हैं, बल्कि पर्यटकों को आकर्षित भी करते हैं। प्रेम को समर्पित ये शानदार निशानियां, हर प्रेमी युगल को प्रेरित भी करते हैं। इनमें से कुछ के बारे में जानिए।

अद्वितीय-लाजवाब-शानदार विश्व प्रसिद्ध प्रेम के स्मारक

की एक ऐतिहासिक इमारत है। यह प्रसिद्ध 'रोमियो और जूलियट' नाटक से प्रेरित एक प्रमुख पर्यटक स्थल है, जहां आंगन में आइकॉनिक बालकनी और जूलियट की कांस्य मूर्ति है। हालांकि जूलियट एक काल्पनिक पात्र है, लेकिन यह घर रोमांस के प्रतीक के रूप में प्रसिद्ध है। जूलियट की मूर्ति के बारे में ऐसी मान्यता है कि मूर्ति के दाहिने हाथ को छूने से प्यार में सौभाग्य मिलता है।

कोरल कैसल अमेरिका

आपको जानकर हैरानी होगी कि एक अमेरिकी व्यक्ति एडवर्ड लीडस्कैलिन ने अपनी प्रेमिका के लिए कोरल कैसल नामक भवन खुद ही अकेले बनाया था। यह उसके प्रेम की अदृष्ट शक्ति को दर्शाता है। फ्लोरिडा के होमस्टेड में स्थित कोरल कैसल एक रहस्यमयी पत्थर का ढांचा है, जिसे लैटिन अमेरिकी प्रवासी एडवर्ड लीडस्कैलिन ने 1923-

1951 के बीच अकेले बनाया था। 1,100 टन से अधिक कोरल चट्टान से निर्मित, इस संरचना में तराशे गए कई बड़े पत्थर, दीवारें और फर्नीचर शामिल हैं, जिसे 'फ्लोरिडा का स्टोनहेंज' भी कहा जाता है। एडवर्ड का कद मात्र 5 फीट और वजन 100 पाउंड था, फिर भी उन्होंने बिना किसी आधुनिक मशीनरी के लगभग 1,100 टन वजनी पत्थरों को काटकर और तराशकर यह महल खड़ा किया था। उन्होंने यह काम लगभग 28 वर्षों तक गुप्त रूप से किया। दरअसल, अपनी मंगेतर (एग्नेस) द्वारा शादी से एक दिन पहले रिश्ता तोड़ देने के बाद, टूटे दिल के साथ एडवर्ड ने इसे एक प्रेम स्मारक के रूप में बनाया था।

एलेनोर क्रॉसेस इंग्लैंड

एलेनोर क्रॉसेस, 13वीं शताब्दी के अंत में इंग्लैंड के राजा एडवर्ड प्रथम द्वारा अपनी पत्नी एलेनोर ऑफ कैस्टिल की याद में बनवाए गए 12 क्रॉस मेमोरियल हैं। वर्ष 1290 में एलेनोर की मृत्यु के बाद, दुःखी होकर राजा ने उनके अंतिम संस्कार की यात्रा के दौरान लंदन से लंदन के बीच प्रत्येक पड़ाव (रात्रि विश्रामस्थल) पर पत्थर के ये भव्य क्रॉस बनवाए थे। इनमें से अब केवल तीन- गॉडगटन, हार्डिंगस्टोन और वाल्थम, मूल रूप में बचे हैं। *

सबसे अनोखा ताजमहल-शालिमार बाग

शालिमार बाग को मुगल बादशाह जहांगीर ने 1619 में अपनी पत्नी नूरजहां के लिए बड़े मन से बनवाया था। शालिमार बाग, श्रीनगर (जम्मू और कश्मीर) में स्थित एक प्रसिद्ध मुगल गार्डन है, जिसे श्रीनगर का ताज भी कहा जाता है। यह बाग चहार बाग शैली पर आधारित है और तीन खतों में विभाजित है, जो जल निकासी और फव्वारों से सुसज्जित है। यहां मौजूद चिह्नार के पेड़, रंग-बिरंगे फूल, दीवान-ए-खास और दीवान-ए-आम जैसे मंडप, पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। यह डल झील के दाहिने किनारे पर स्थित है और युनेस्को की विश्व धरोहर स्थलों की अस्थायी सूची में शामिल है।

अपने देश भारत में भी प्रेम की दो वेगिसाल निशानियां मौजूद हैं। मुगल सम्राट शाहजहां द्वारा अपनी पत्नी मुमताज महल की याद में बनाया गया सफेद संगमरमर का मकबरा ताजमहल, दुनिया में प्यार का सबसे बड़ा प्रतीक माना जाता है। ताजमहल, भारत ही नहीं दुनिया भर में निरसंदेह 'प्यार की सबसे खूबसूरत निशानी' माना जाता है। इसका निर्माण 1631 में शुरू हुआ और 1653 में पूरा हुआ। इसे बनाने में लगभग 22,000 मजदूरों और शिल्पकारों ने काम किया था। इसे राजस्थान के मकराना से लाए गए शुद्ध सफेद संगमरमर से बनाया गया, जिस पर कौमती पत्थरों की पत्थीकारी की गई है।



आमतौर पर माना जाता है कि अगर आप सिंगल हैं यानी आपको कोई लव या लाइफ पार्टनर अब तक नहीं है तो वैलेंटाइन-डे आपको मायूस कर देगा। लेकिन ऐसा नहीं है। आप अलग अंदाज में अपने साथ ही वैलेंटाइन-डे मना सकते हैं।

सिंगल हैं तो क्या हुआ खुद के साथ करें सेलिब्रेट

हुआ? आप अपनी इच्छा से सिंगल हैं। इसमें गम मनाने की तो कोई बात नहीं। सिंगल के गुण को ज्यादा न करें और अपने सिंगल हूड को एंजाय कर लें। **शादीशुदा भी तो खुश नहीं** अगर आपने अभी तक शादी नहीं की या किसी के साथ रिलेशनशिप में नहीं हैं तो उनके बारे में सोचो, जो कपल्स शादी करके भी अक्सर परेशान रहते हैं। उनसे पूछकर देखें तो वो बताएंगे कि जिन हालात में वो हैं, इससे तो अच्छा था वो शादी ही न करते। इस तरह अपने सिंगल हूड को अपनी उन्नति के लिए एक बड़ी उपलब्धि समझते हुए उसे एंजाय करें। आप जो हैं, जैसे हैं, उसी में संतुष्ट रहें।

करियर पर फोकस करें कॉलेज में अपने दोस्तों को अपनी पार्टनर के साथ खुश देखकर उनसे द्वेष करना सही नहीं है। हो सकता है वो सामान्य दोस्ती में हों, न कि एक दूसरे के गर्लफ्रेंड-बॉयफ्रेंड हों। आप भी इस तरह किसी से दोस्ती करके उस दोस्ती को भी एंजाय कर सकते हैं। जो टीनएजर अपने सिंगल हूड स्टेटस को लेकर परेशान होते हैं, उन्हें अपने करियर पर फोकस करने की ज्यादा जरूरत है। क्योंकि यही वह उम्र है, जब किसी से रिलेशनशिप में रहकर अपने जीवन में तनाव पालने की बजाय करियर पर फोकस करना भविष्य के लिए ज्यादा अच्छा होता है।

अलग नजरिया नगता नदीन

हर वर्ष 14 फरवरी यानी वैलेंटाइन-डे पर सोशल मीडिया कपल्स की तस्वीरों से भरा रहता है। माना जाता है कि ऐसे लोग जो किसी के साथ रिलेशनशिप में नहीं हैं, उन्हें यह दिन काफी चुभता है, इस दिन उन्हें अकेलेपन की पीड़ा भीतर तक सालती है। अगर आपका भी कोई पार्टनर नहीं है, आप खुद को अधूरा महसूस करते हैं तो यह सोच सही नहीं है। हम आपको बताते हैं कि कैसे अपने अकेलेपन को दूर कर, यह दिन मना सकते हैं?

खुद से ही प्यार करें

अगर आपके साथ कोई साथी न हो तो खुद को ही अपना वैलेंटाइन बनाएं। खुद को गिफ्ट करें। अकेले जाकर किसी रेस्टोरेंट में खुद को ट्रीट दें। दूसरे लोगों को एक साथ देखकर उनसे अपनी तुलना करके परेशान न हों। इससे अगर कोई आपके साथ न भी हो तो कोई फर्क नहीं पड़ेगा।

क्या हुआ जो बैचलर हैं

अगर आपने अभी तक शादी के लिए किसी का चुनाव नहीं किया या कोई ऐसा पार्टनर आपको नहीं मिला, जिसके साथ आप जीवनभर चलने का संकल्प ले सकें, तो क्या

अकेले होने का गम कैसा

आजकल ऐसे तमाम युप और क्लब हैं, जहां सिंगल लोग एक-दूसरे के साथ को एंजाय करते हैं। वे आपस में मिलकर पार्टी करते हैं या कहीं घूमने का प्रोग्राम बनाते हैं यानी सिंगल हूड कोई कमी होने का पर्याय नहीं है। आप अपने आपको किस रूप में देखना



चाहते हैं, यह ज्यादा अहम है। हमें अपने आसपास ऐसे तमाम पुरुष और महिलाएं मिल जाएंगी, जिन्होंने अपने मन से सिंगल रहना चुना है। वे अकेले रहकर अपनी जिंदगी को बहुत ही अच्छे तरीके से जी रहे हैं। इसलिए सिंगल हूड के कई फायदे होते हैं, इसे भी समझें।

सोच समझकर बनाएं रिलेशन

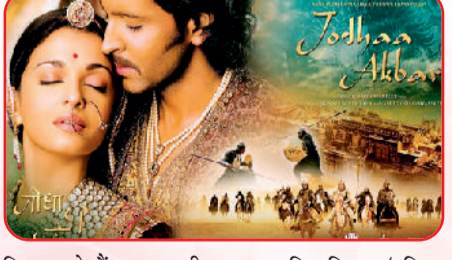
आपके सर्कल में रहने वाले लड़के या लड़कियां अगर सभी किसी न किसी रिलेशनशिप में हैं और आप उनमें अकेले सिंगल हैं, तो अगर वे जबदस्ती आपको किसी के साथ रिलेशनशिप में आने, डेटिंग संबंधी सलाह देने या जबदस्ती किसी के साथ इनवॉल्व करने की कोशिश करें तो ऐसे लोगों से दूरी बना लें। क्योंकि सिंगल होने का मतलब किसी की दया का पात्र होने का नहीं है, जो लोग सिंगल होने को कमतर या बदकिस्मती समझ लेते हैं, उन्हें यह जता दें कि आप अपनी इच्छा से सिंगल हैं। किसी के साथ बुरे रिलेशनशिप में रहने से सिंगल होना आपको ज्यादा दिमागी सुकून देता है। प्यार का रिश्ता भले ही देर से बने लेकिन यह रिश्ता प्यारा, मजबूत और समझदारी से भरा होना चाहिए। *

सिने-ट्रेंड अशोक जोशी

जब से हिंदी फिल्मों का निर्माण शुरू हुआ है, फिल्मकारों का सबसे प्रिय विषय प्रेम ही रहा है। अधिकांश फिल्मों में किसी न किसी रूप में प्रेम मौजूद रहता ही है। लेकिन कई ऐसी माइलस्टोन फिल्मों भी बनी हैं, जो ऐतिहासिक या लोकचर्चित पात्रों की प्रेमकथाओं पर आधारित रही हैं। इनमें से कुछ के बारे में यहां बता रहे हैं।

खूब पसंद की गई ऐतिहासिक प्रेम कहानियां

हमारे यहां ऐसे कई ऐतिहासिक पात्र हुए हैं, जिनकी प्रेमगाथाएं पढ़ें पर ज्यादा सफल हुई हैं। इस क्रम में सबसे ज्यादा सफल फिल्म के आसिफ की 'मुगले आजम' को माना जाता है। इस फिल्म में पृथ्वीराज कपूर ने अकबर, दिलीप कुमार ने सलीम और मधुबाला ने अनारकली की भूमिका में जान डाल दी थी। भव्य सेट, दिलचस्प संवाद और कर्णप्रिय गानों के बल पर यह फिल्म अब तक की सबसे ज्यादा सफल फिल्मों में शामिल है। इसी के आसपास बनी 'अनारकली' में प्रदीप कुमार और बीना राय ने अभिनय किया था। सी. रामचंद्र ने इसके लिए मधुर संगीत रचा था। यह फिल्म भी सफल रही। मुगलकाल के एक और प्रेम प्रसंग पर आधारित 1963 में बनी फिल्म 'ताजमहल' शाहजहां और मुमताज महल के प्रेम पर आधारित थी। इस रंगीन फिल्म में विशोपा रोशन का मधुर संगीत था। इसके गीत 'जो वादा किया वो निभाना पड़ेगा' और 'पांव चू लेने दो' आज भी बहुत पसंद किए जाते हैं। इसके बाद आशुतोष गोवारीकर ने फिल्म 'जोधा-अकबर' में अकबर और जोधाबाई की प्रेमकहानी को पढ़ें पर उतारा। साठ और सत्तर के दशक में ऐतिहासिक प्रेम कथाओं पर आधारित जो श्वेत-श्याम फिल्में बनीं उनमें मांडू के अंतिम सुलतान बाज बहादुर और एक गड़रिया की गाथिका बेटी रूपमती की प्रेमगाथा पर आधारित 1957 की फिल्म 'रानी रूपमती' में भारत भूषिका और निरूपा राय ने मुख्य भूमिका निभाई थी। इसी तरह फिल्म के राजा चंद्रगुप्त और ग्रीस की हेलेना की युद्ध के बाद प्रेम में बदली कहानी पर 1959



कहानी पर आधारित फिल्म 'रजिया सुल्तान' का दो बार निर्माण हुआ। 1961 में जयराज और निरूपा राय मुख्य भूमिकाओं में थे तो 1983 में बनी 'रजिया सुल्तान' को धर्मेन्द्र और हेमामालिनी की जोड़ी के लिए जाना जाता है। मगध के राजा बिंबसार और वैशाली की नगरवधु आम्रपाली की प्रेम कहानी पर आधारित लेख टंडन की फिल्म 'आम्रपाली' में सुनील दत्त और वैजयंती माला ने मुख्य भूमिका निभाई थी। फिल्म के गाने कर्णप्रिय थे, इसके बावजूद यह फिल्म नहीं चली। इसी तरह ऐतिहासिक प्रेमकथाओं पर आधारित 'नूरजहां', 'यहूदी' भी नहीं

अपने आरंभिक काल से ही प्रेम आधारित कहानियों पर हिंदी फिल्में बनती रही हैं। बदलते समय और दर्शकों की पसंद के अनुसार ऐतिहासिक और लोकचर्चित प्रेम कहानियों का फिल्मी रूपांतरण होता रहा है। ऐसी ही कुछ चर्चित फिल्मों पर एक नजर।

फिल्मी पढ़ें पर खूब दिखती रही हैं ऐतिहासिक-लोकचर्चित प्रेमकथाएं



'आम्रपाली' में सुनील दत्त के साथ वैजयंती माला



'मुगल-ए-आजम' में दिलीप कुमार-मधुबाला

में बनी फिल्म सम्राट 'चंद्रगुप्त' में भी भारत भूषण और निरूपा राय की जोड़ी थी। सन 1946 में पृथ्वीराज कपूर और मीना कुमारी अभिनीत फिल्म 'पृथ्वीराज संयोगिता' बनी थी। जो इनके प्रेम पर आधारित थी। वर्ष 2022 में यशराज फिल्मस ने अक्षय कुमार-मानुषी छिल्लर अभिनीत फिल्म 'सम्राट पृथ्वीराज' का निर्माण किया था। रजिया सुल्तान और याकूत की प्रेम

चल पाई। सन 1984 में रिलीज हुई हिंदी फिल्म 'उत्सव' प्राचीन संस्कृत नाटक 'मुच्छकटिकम्' पर आधारित थी। इसमें वसंत सेना (रेखा) और एक गरीब ब्राह्मण चारुदत्त (शेखर सुमन) की प्रेम कहानी को दर्शाया गया। इसका निर्माण शशि कपूर ने और निर्देशन गिरिश कर्नाड ने किया था। हालिया बरसों में संजय लीला भंसाली की मराठा पेशवा बाजीराव और बुंदेलखंड की राजकुमारी मस्तानी की प्रेम कहानी पर आधारित 'बाजीराव मस्तानी' ने सफलता के झंडे गाड़ दिए थे।

लोक चर्चित प्रेम पर आधारित फिल्में

'लैला-मजनु', 'हीर-रांझा', 'सोहनी-महिवाल', 'शोरी-फरहाद' ऐसी लोक कहानी पर आधारित फिल्में 'दोला-मारू' भी सफल रही। लेकिन इन तमाम प्रेम कहानियों में 'हीर-रांझा' की प्रेम कहानी सबसे ज्यादा हिट हुई। 1970 में चेतन आनंद ने प्रिया राजवंश और राजकुमार को लेकर चर्चित प्रेम कहानियां हैं, जो सदियों से सुनी और सुनाई जाती रही हैं। इन पर बनी अधिकांश हिंदी फिल्में सफल रही हैं। इन कहानियों में 'लैला-मजनु' पर सबसे ज्यादा फिल्में बनी हैं। इनमें 1953 में बनी शम्मी कपूर और नूतन अभिनीत और उसके बाद 1973 में

लोक चर्चित प्रेम पर आधारित फिल्में

उनके भतीजे ऋषि कपूर और रंजीता अभिनीत 'लैला-मजनु' सबसे ज्यादा सफल रही। सन 1956 में बनी 'शोरी फरहाद' में प्रदीप कुमार और मधुबाला की भूमिकाएं थीं। लोक प्रेम कहानियों में पंजाब की माटी से जन्मी 'हीर-रांझा' और 'सोहनी-महिवाल' की प्रेम कहानियां पर सफल फिल्में बनी हैं। पहली फिल्म 1958 में बनी थी। इसमें भारत भूषण और निम्मी की भूमिकाएं थीं। इसके बाद 1984 में भारत और रूस के सहयोग से बनी 'सोहनी-महिवाल' का निर्देशन उमेश मेहरा ने किया था। इसमें सनी देओल और पूनम दिल्लों के साथ जीनत अमान भी थीं। अनु मलिक के मधुर संगीत से रची यह फिल्म बेहद लोकप्रिय रही। राजस्थान की लोककथा पर आधारित फिल्म 'दोला-मारू' भी सफल रही। लेकिन इन तमाम प्रेम कहानियों में 'हीर-रांझा' की प्रेम कहानी सबसे ज्यादा हिट हुई। 1970 में चेतन आनंद ने प्रिया राजवंश और राजकुमार को लेकर 'हीर रांझा' का निर्माण किया था। कहने का सार है कि इतिहास, पुराणों और लोक संस्कृति में प्रसिद्ध प्रेमकथाओं पर फिल्मों का निर्माण हमेशा से होता रहा है। कुछ अपवादों को छोड़ दें तो इन्हें दर्शक खूब पसंद भी करते हैं। *



'हीर रांझा' का निर्माण किया था।